RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 183
दि. 04.11.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तराखंड स्थापना रजतोत्सव पर विधानसभा के विशेष सत्र को किया संबोधित

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तराखंड राज्य स्थापना, रजतोत्सव के अवसर पर आयोजित, उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि विगत पचीस वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं।

पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है। इसी तरह डिजिटल और फिजिकल कनेक्टिविटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलमेंट के क्षेत्रों में भी विकास हुआ है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि विकास के समग्र प्रयासों के बल पर राज्य में मानव विकास सूचकांक के मानकों पर सुधार हुआ है।

राज्य में साक्षरता बढ़ी है, महिलाओं की शिक्षा में विस्तार हुआ है, मातृ एवं शिशु-मृत्यु-दर में कमी आई है, राज्य में स्वास्थ्य- सेवाओं को सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की विशेष सराहना करते हुए कहा कि, इससे राज्य में सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी। इसी तरह ऋतु खंडूरी भूषण को राज्य की पहली महिला विधान सभा अध्यक्ष नियुक्त करके उत्तराखंड विधान सभा ने अपना गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा वे सभी हितधारकों के सक्रिय प्रयास से उत्तराखंड विधान सभा में महिलाओं की संख्या में बढ़ोत्तरी होते देखना चाहेंगी।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड की इस देव-भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। कुमांऊ रेजीमेंट और गढ़वाल रेजीमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है। यहां के युवाओं में भारतीय सेना के जरिए मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है।

उत्तराखंड की यह शौर्य परंपरा

सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को शक्ति प्रदान करने में भी उत्तराखंड के अनेक जन-सेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान निमार्ताओं ने 'नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता' के निर्माण के लिए संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत प्रावधान किया था।

संविधान निमार्ताओं की इसी भावना के अनुरूप अब उत्तराखंड विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक लागू कर दिया है, जिसकी वो सराहना करती हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधान सभा में 550 से अधिक विधेयक पारित किए गए हैं। उन विधेयकों में उत्तराखंड लोकायुक्त विधेयक, उत्तराखंड जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था विधेयक तथा नकल विरोधी विधेयक शामिल हैं। इससे पारदर्शिता, नैतिकता और सामाजिक न्याय की भावना मजबूत हुई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि विधान सभाएं हमारी संसदीय प्रणाली का प्रमुख स्तम्भ हैं। बाबासाहब अंबेडकर ने कहा था कि संविधान निमार्ताओं ने संसदीय प्रणाली को अपनाकर निरंतर उत्तरदायित्व को अधिक महत्व दिया था। जनता के प्रति निरंतर उत्तरदाई बने रहना संसदीय प्रणाली की शक्ति भी है और चुनौती भी। विधायक-गण, जनता और शासन के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जमीनी स्तर पर क्षेत्र की जनता से जुड़कर उनकी सेवा करने का अवसर मिलना बड़े सौभाग्य की बात है।

राष्ट्रपति ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक विधायक के रूप उन्हें भी नौ वर्ष जन-सेवा का अवसर मिला है। इसलिए वो अपने अनुभव से कह सकती हैं कि यदि विधायक सेवा-भाव से निरंतर जनता की समस्याओं के समाधान तथा उनके कल्याण में सक्रिय रहेंगे तो जनता और जन-प्रतिनिधि के बीच विश्वास का बंधन अटूट बना रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 नवंबर को उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव समारोह में होंगे शामिल, जानिए कार्यकम और क्या है तैयारियां

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 नवंबर को उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव समारोह में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देहरादून के एफआरआई में 9 नवम्बर को उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव का मुख्य कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तैयारियों का निरीक्षण किया।

उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 नवम्बर को प्रदेशभर में भव्य रजत जयंती उत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) में आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एफआरआई पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, दर्शक दीर्घा, यातायात प्रबंधन, सांस्कृतिक मंच और स्वागत तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य स्थापना दिवस का यह ऐतिहासिक अवसर गरिमामय और व्यवस्थित तरीके से मनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड की 25 वर्ष की विकास यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सानिध्य में यह रजत जयंती समारोह प्रदेश के लिए प्रेरणादायक अवसर होगा। बता दें कि पीएम मोदी गुनियाल गांव में बने सैन्य धाम को भी जनता को समर्पित करेंगे। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को गुनियालगांव स्थित निमार्णाधीन सैन्य धाम के लोकार्पण से पूर्व कि सभी आवश्यक कार्य और तैयारियां पूर्ण करने के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ कार्यों को समय

से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने कहा कि 09 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराखंड दौरे के दौरान सैन्यधाम का लोकार्पण प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि यह धाम सैनिकों के सम्मान का प्रतीक है और शीघ्र ही प्रदेश की जनता को समर्पित किया जाएगा। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि सैन्यधाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार के संकल्प का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि देशभर में विभिन्न सैन्य स्मारकों का अध्ययन करने के बाद इसे सबसे भव्य और अद्वितीय रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना में बाबा हरभजन सिंह और बाबा जसवंत सिंह की पूजा की जाती है, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सैन्यधाम में म्यूजियम, थियेटर और लाइट एंड साउंड शो जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिनके माध्यम से वीर

'पप्पू, टप्पू, अप्पू... इण्डी गठबंधन तीन बंदरों की जोड़ी', दरभंगा में बोले यूपी के सीएम योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दरभंगा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए इंडिया ब्लॉक को तीन बंदरों की जोड़ी बताया. उन्होंने कहा कि एनडीए विजयी होगा, तो बिहार विजयी होगा.

दरभंगा (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के दरभंगा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया. सीएम योगी ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को राम द्रोही बताया और कहा कि जो मां जानकी का विरोधी है, वह हमारा भी विरोधी है. उन्होंने राम मंदिर निर्माण का उल्लेख किया और कहा कि जब रामलला विराजमान होंगे, तब मिथिला में मां जानकी भी विराजमान होंगी.

सीएम योगी ने कहा कि सीतामढ़ी में मां जानकी का भी मंदिर बन रहा है. अब दोनों को जोड़ने के लिए राम जानकी मार्ग के निर्माण का काम भी युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है. उन्होंने मखाना बोर्ड के गठन से लेकर लाख की चूड़ियों को पहचान दिलाने तक, सड़क से लेकर वायु और जलमार्ग तक, एनडीए सरकार के प्रयास गिनाए और कहा कि डबल इंजन की सरकार होती है, तो ऐसे ही विकास की बहार होती है. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या से संदेश लेकर मां जानकी की धरती पर आया हूं. डबल इंजन सरकार योजनाओं का लाभ हर तबके को दे रही है.

उन्होंने विपक्षी महागठबंधन पर भी जमकर हमला बोला. सीएम योगी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस वाले हिंदू द्रोही हैं, रामद्रोही हैं. उन्होंने कहा कि आपने गांधी जी के तीन बंदरों के बारे में सुना होगा. आज इंडी गठबंधन के तीन बंदर आ गए- पप्पू, टप्पू और अप्पू के नाम पर. यह गठबंधन तीन बंदर की जोड़ी है.

जयपुर में 'यमराज' बनकर आया डंपर! एक के बाद एक 19 लोगों को दी मौत, जानें वजह?

नवंबर माह की शुरूआत के साथ ही, हादसों का सिलसिला शुरू हो चुका है। राजस्थान एकाएक सड़क हादसों की चपेट में आ गया है। सोमवार (3 नवंबर) दोपहर जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सीकर रोड पर एक अनियंत्रित डम्पर ट्रक ने करीब एक दर्जन वाहनों को रौंद डाला। इस भयावह दुर्घटना में कम से कम 19 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा लोहामंडी के पास दोपहर करीब 1 बजे हुआ, जब हाईवे पर ट्रैफिक सामान्य था।

'कांग्रेस आरजेडी की लुटिया डुबाने में लगी', सहरसा में पीएम मोदी बोले-महिला क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार (03 नवंबर) को सहरसा पहुंचे, जहां उन्होंने एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने महागठबंधन, खासकर कांग्रेस और आरजेडी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि "कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आरजेडी का कोई नेता बैठे। लेकिन आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद छीन लिया।"

पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा-"अब कांग्रेस इतनी बौखलाई हुई है कि उसने आरजेडी की लुटिया डुबाने की सुपारी ले ली है। उनके पास अब खोने के लिए कुछ बचा नहीं है, इसलिए अब वो दूसरों को भी

डुबाने में लगे हैं।"

◆ महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत पर तालियां बजवाईं

अपने भाषण के बीच पीएम मोदी ने माहौल को बदलते हुए महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "नारी सशक्तिकरण की इस प्रेरक भूमि से मैं पूरे देश को बधाई देता हूं। भारत की बेटियों ने पहली बार महिला क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। यह जीत केवल मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की नई सोच, आत्मविश्वास और गांव-गांव से निकलती बेटियों की मेहनत का प्रतीक है।"

पीएम मोदी ने आगे कहा, "हमारे देश की बेटियां किसान परिवारों से हैं, मजदूर वर्ग से हैं, निम्न-मध्यम वर्ग से हैं लेकिन उन्होंने दिखा दिया कि अगर हौसला हो तो कोई मंजिल दूर नहीं। आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रही हैं।"

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल बेमौसम बारिश से प्रभावित क्षेत्रों के किसानों के साथ खड़े रहे, धरतीपुत्रों की व्यथा संवेदनापूर्वक सुनी

- मुख्यमंत्री ने गीर सोमनाथ तथा जूनागढ जिलों के गाँवों में स्वयं जाकर फसल नुकसान के स्थल-स्थिति का निरीक्षण किया, धरतीपुत्रों की व्यथा संवेदनापूर्वक सुनी
- राज्य में बेमौसम वर्षा से कृषि फसलों को हुए नुकसान का मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश में युद्ध स्तर पर सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया
- राज्य के लगभग 70 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण, 4800 से अधिक टीमें सर्वेक्षण कार्य में जुड़ीं
- शेष प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने के लिए समग्र प्रशासन 247 कार्यरत है

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- किसानों पर आन पड़ी विपदा में राज्य सरकार पूरी संवेदना के साथ खड़ी है
- अति शीघ्र राहत पैकेज घोषित कर किसानों को नुकसान से तेजी से उबारने की प्रतिबद्धता

गांधीनगर, 03 नवम्बर:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह से शुरू हुई बेमौसम बारिश से राज्य के अनेक किसानों की फसलों को हुए व्यापक नुकसान के रूप में आई अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा के समय पूरी संवेदना के साथ राज्य के किसानों के साथ खड़े रहकर नुकसान के सर्वेक्षण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कराया है।

श्री पटेल ने इस उद्देश्य से गांधीनगर से रीयल टाइम मॉनिटरिंग कर तथा उच्च स्तरीय बैठकें आयोजित कर राज्य के किसानों को हुए नुकसान की जानकारी हासिल की थी और किसानों की फसलों को हुए व्यापक नुकसान की पूरी रिपोर्ट देने के निर्देश भी दिए थे।

इस संदर्भ में कृषि विभाग सहित

राज्य सरकार के अन्य विभागों ने समन्वय स्थापित कर प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वेक्षण शुरू कर दिया है और अब तक लगभग 70 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है। शेष क्षेत्रों में भी सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए मुख्यमंत्री के दिशादर्शन में कृषि विभाग सहित सम्बद्ध विभाग 247 कार्यरत हैं।

इस बेमौसम बरसात के कारण कृषि फसलों में हुए नुकसान के चलते किसानों को अधिक से अधिक तेजी से सहायता मिल सके; इसके लिए प्रभावित जिलों में 4800 से अधिक टीमों द्वारा सर्वेक्षण कार्य युद्ध स्तर पर किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार दोपहर बाद स्वयं गीर सोमनाथ जिले के कडवासण तथा जूनागढ जिले के पाणीद्रा गाँव पहुँचे और उन्होंने किसानों के खेतों में खड़ी फसलों को हुए नुकसान का मौके पर जायजा लिया तथा किसानों की व्यथा सहानुभूतिपूर्वक सुनी।

मुख्यमंत्री के साथ मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया, डॉ. प्रद्युमन वाजा तथा राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया भी इन प्रभावित क्षेत्रों के स्थल निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने धरतीपुत्रों को सांत्वना देते हुए कहा कि समग्र सरकार उनके साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ी है और किसानों को नुकसान से तेजी से उबार कर स्थिति पूर्ववत करने की प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक अनुमान के अनुसार हाल की बेमौसम बारिश में राज्य में 249 तहसीलों के 16 हजार से अधिक गाँवों की कृषि फसलों को नुकसान हुआ है। इसमें 70 प्रतिशत प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है, जबकि शेष क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने इस नुकसान का सर्वेक्षण होते ही अति शीघ्र समय में उदारतम राहत सहायता पैकेज घोषित करने की दिशा में जरूरी प्रक्रिया भी तत्परता के साथ शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के मंत्रियों ने भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर फसलों को हुए नुकसान तथा समग्र स्थिति का जायजा लिया है। उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी सूरत, कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी भावनगर, आदिजाति विकास मंत्री श्री नरेश पटेल तापी, वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. प्रद्युमन वाजा जूनागढ तथा गीर सोमनाथ और राज्य मंत्री श्री कौशिकभाई वेकरिया अमरेली जिले का दौरा कर किसानों के दुःख में सहभागी हुए।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल बुधवार, 05 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:45 बजे जयपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 04 नवंबर, 2025 को जयपुर से 08:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मांडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

ट्रेन 09730 की बुकिंग 04 नवम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा राष्ट्रव्यापी 'पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जागरूकता अभियान' में सहभागिता

मुंबई, रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप पश्चिम रेलवे राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0 में सक्रिय रूप से भाग ले रही है, जिसका आयोजन पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2025 तक किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य डिजिटल साक्षरता के माध्यम से पेंशनभोगियों को सशक्त बनाना और एंड्रॉइड और आईओएस दोनों उपकरणों पर उपलब्ध 'लाइफ सर्टिफिकेट' मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट को सहजता से जमा करने की सुविधा प्रदान करना है। नवंबर माह के दौरान पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में रेलवे कार्यालयों, बैंकों, अस्पतालों आदि सहित विभिन्न स्थानों पर शिविर, सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। ये गतिविधियाँ पेंशन भुगतान करने वाले बैंकों, पेंशनर्स एसोसिएशन और ट्रेड

यूनियनों के सहयोग से जागरूकता फैलाने और पेंशनभोगियों को अपना डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने में सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित की जा रही हैं।

पेंशनभोगियों को पेंशन लाभ प्राप्त करते रहने के लिए हर साल नवंबर महीने में अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना अनिवार्य है। डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट घर बैठे ऑनलाइन जमा करने की सुविधा देकर इस प्रक्रिया को सरल बनाता है।

पिछले तीन वर्षों में राज्य और केंद्र सरकार के विभागों में 4.5 करोड़ से अधिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं। रेलवे, सरकारी संगठनों में सबसे बड़े पेंशनभोगी आधारों में से एक है और पश्चिम रेलवे इस अभियान के दौरान सभी रेलवे पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को कवर करने के लिए एक व्यापक आउटरीच कार्यक्रम चला रहा है।

पश्चिम रेलवे सभी पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाने हेतु इस सुविधाजनक डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने का अनुरोध करती है। पेंशनभोगी पश्चिम रेलवे द्वारा आयोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग ले सकते हैं या डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्रक्रिया से संबंधित किसी भी सहायता या मार्गदर्शन के लिए अपने निकटतम रेलवे लेखा कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

भावनगर-ओखा एक्सप्रेस 04 एवं 05 नवंबर को द्वारका स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी

रेलवे प्रशासन द्वारा ओखा स्टेशन पर एल.सी. संख्या 313 के एल.एच.एस. पर गर्डर लॉन्चिंग कार्य किए जाने के कारण दिनांक 05 एवं 06 नवंबर, 2025 को आवश्यक इंजीनियरिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के मद्देनजर, कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट एवं शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि —

- ट्रेन संख्या 19209 भावनगरझओखा एक्सप्रेस दिनांक 04 एवं 05 नवंबर, 2025 को द्वारका स्टेशन पर ही समाप्त होगी।
- इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19210 ओखाझभावनगर एक्सप्रेस दिनांक 05 एवं 06 नवंबर, 2025 को द्वारका स्टेशन से ही प्रारंभ होगी।

भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे उक्त तिथियों में अपनी यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति एवं समय संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए NTES ऐप अथवा भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त करें।

आरक्षित यात्रियों को इस परिवर्तन की सूचना रटर अलर्ट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। रेलवे प्रशासन यात्रियों से सहयोग की अपील करता है एवं किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है।

जुबिन गर्ग की हत्या की गई थी, असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने किया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सिंगर जुबीन गर्ग मामले में सोमवार को बड़ा बयान दिया है। सीएम बिस्वा ने दावा किया कि जुबीन गर्ग की "हत्या" हुई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोप पत्र 8 दिसंबर को दाखिल किया जाएगा।

ध्यान रहे असम के सिंगर जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में स्वीमिंग करते हुए रहस्यमय परिस्थितियों में हुई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (एनईआईएफ) के चौथे संस्करण में शामिल होने के लिए सिंगापुर गए थे।

सरमा ने पत्रकारों को बताया, "मैं इसे दुर्घटना नहीं मान रहा हूं। इस हत्या

के मामले में चार्जशीट 17 दिसंबर तक जमा करनी होगी, लेकिन मैं इसे 8 दिसंबर तक दाखिल करने का लक्ष्य रखा है। अब हम तैयार हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि असम पुलिस ने जुबीन गर्ग के मैनेजर और फेस्टिवल के आयोजक पर हत्या का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि जांचकर्ताओं ने इस मामले को हत्या के रूप में वर्गीकृत क्यों किया है। असम पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के तहत गठित एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गर्ग की मौत की जांच कर रहा है। राज्य भर में इस संबंध में 60 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई थीं।

सरमा ने यह भी बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने की त्वरित मंजूरी मांगी है। विदेश में हुई घटनाओं में चार्जशीट दाखिल करने के लिए गृह मंत्रालय (एमएचए) की अनुमति आवश्यक होती है।

सरमा ने कहा, "कल, मैंने केंद्रीय गृह मंत्री से इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए मुलाकात की। एसआईटी चार्जशीट दाखिल करने से पहले आवश्यक मंजूरी के लिए अगले तीन से चार दिनों के भीतर एमएचए से संपर्क करेगी।" यह पूछे जाने पर कि क्या असम सरकार ने एनईआईएफ को कोई वित्तीय सहायता दी थी, सरमा ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं हुआ था।

इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में एनईआईएफ के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, और बैंड के दो सदस्य - शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत शामिल हैं। गायक के चचेरे भाई, असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को भी बाद में हिरासत में लिया गया।

गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों, नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य को भी गिरफ्तार किया गया था, जब पुलिस ने उनके खातों में ₹1.1 करोड़ से अधिक के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का खुलासा किया। सभी सात आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं और उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत हत्या, गैर-इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का आरोप लगाया गया है।

मुंबई एयरपोर्ट इस तारीख को बंद रहेगा, चेक करें समय

(जीएनएस)।

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (CSMIA) पर 20 नवंबर को उड़ान संचालन छह घंटे के लिए बंद रहेगा। सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, हवाई अड्डा संचालक मानसून के बाद रनवे के व्यापक वार्षिक रखरखाव का काम करेगा।

मुंबई हवाई अड्डे पर होने वाले इस रखरखाव कार्य में रनवे लाइटिंग, मार्किंग और ड्रेनेज सिस्टम का विस्तृत निरीक्षण, सतह की मरम्मत और तकनीकी मूल्यांकन शामिल होगा। हवाई अड्डा संचालक ने बताया कि दोनों क्रॉस रनवे - 09/27 और 14/32 - 20 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक अस्थायी रूप से बंद रहेंगे।

अडानी समूह और एएआई के स्वामित्व वाले मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (MIAL) ने कहा कि यह निर्धारित रनवे बंदी निरंतर सुरक्षा, विश्वसनीयता और वैश्विक विमानन मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए है।

मुंबई हवाई अड्डे के पास दो इंटरसेक्टिंग रनवे हैं, मुख्य रनवे 9/27 और सेकेंडरी रनवे 14/32। ये रनवे प्रतिदिन लगभग 950 उड़ानों का प्रबंधन करते हैं, जिससे यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद देश का दूसरा सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बन जाता है।

MIAL ने बताया कि एक NOTAM (ढ्ढ्ढ्ढ ३ड्ढ अर्ढ्ढेल्ल) पहले ही जारी कर दिया गया था, जिससे एयरलाइंस और अन्य हितधारकों को अपनी उड़ान अनुसूची और मैनपावर प्लानिंग को समायोजित करने का समय मिल सके। टक्सछ ने कहा कि यह सक्रिय संचार संचालन में सहज समन्वय को सक्षम बनाता है और यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करता है।

आम तौर पर, NOTAM एक ऐसा नोटिस होता है जिसमें उड़ान संचालन में शामिल कर्मियों के लिए आवश्यक जानकारी होती है।

माननीय रेलमंत्री ने अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया

अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास एवं हाई स्पीड रेल परियोजना के प्रगति की समीक्षा की

माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 03.11.2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों तथा हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास कार्य का निरीक्षण किया और इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि भारत में यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए देशभर में स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। वर्तमान में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख स्टेशन है।

श्री वैष्णव ने बताया कि अहमदाबाद स्टेशन पर 16 मंज़िला आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। सरसपुर साइड पर बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है तथा अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल स्टेशन लगभग पूर्णता की ओर है। बुलेट ट्रेन स्टेशन और अहमदाबाद रेलवे स्टेशन को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेटेड) रूप से विकसित किया जा रहा है, सरसपुर साइड मेट्रो स्टेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा यात्रियों के लिए खोला जा चुका है।

उन्होंने आगे बताया कि अहमदाबाद स्टेशन को तीन अतिरिक्त प्लेटफॉर्म प्राप्त होंगे, जिससे स्टेशन की ट्रेनों की परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। स्टेशन को शहर के दोनों ओर कालुपुर और सरसपुर साइड आधुनिक स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। सभी प्लेटफॉर्म कॉनकोर्स रूफ प्लाजा से कवर हो जाएंगे तथा स्टेशन पर एलीवेटेड रोड का कार्य भी तीव्र गति से जारी है। इस प्रकार शहर के दोनों छोर कॉनकोर्स,एलेवेटेड रोड, फुटओवर ब्रिज से जुड़ जाएगा। मंत्री महोदय ने बताया कि पिछली बार जब उन्होंने परियोजना का निरीक्षण किया था, तब बेसमेंट का कार्य प्रगति पर था, अब दो अंडरग्राउंड बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर का कार्य पूर्ण हो गया है जबकि चौथी मंज़िल तक का स्ट्रक्चर फ्रेम तैयार हो चुका है।

देश के प्रमुख 20 स्टेशनों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद से नई ट्रेनों की डिमांड अधिक आती है। गुजरात में अहमदाबाद और सूरत से से अधिक मांग रहती है। इस बढ़ती डिमांड को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की परिचालन क्षमता बढ़ाने हेतु अहमदाबाद के वटवा में एक मेगा टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिसमें 10 पिट लाइनों का निर्माण होगा। इसके माध्यम से लगभग 45 अतिरिक्त ट्रेनों की केपेसिटी बढ़ेगी जिससे अहमदाबाद से लगभग 150 ट्रेनों का संचालन संभव हो पाएगा।

अहमदाबाद स्टेशन का पुनर्विकास कार्य विरासत स्मारकों को आधुनिक शहरी केंद्र के साथ एकीकृत करने की अवधारणा पर आधारित है। यह परियोजना एक विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (टटल्ल्ळ) का निर्माण करेगी, जिसमें पर्याप्त पार्किंग, कालुपुर आरओबी और सारंगपुर आरओबी को जोड़ने वाला एलिवेटेड रोड नेटवर्क, लैंडस्केप्ड प्लाजा, कॉनकोर्स एरिया तथा उन्नत यात्री सुविधाएं सम्मिलित होंगी।

स्टेशन का वास्तुशिल्प डिजाइन मोढेरा सूर्य मंदिर से प्रेरित है, जो सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक सौंदर्य का सुंदर समावेश प्रदर्शित करेगा। कालुपुर साइड स्थित आइकॉनिक एमएमटीएच टॉवर अहमदाबाद के वास्तु परिदृश्य का नया प्रतीक बनेगा। एएसआई संरक्षित 'ईंट (ब्रिक्स) मीनार' और 'झूलता मीनार' को भी पुनर्विकास योजना में समाहित किया जाएगा।

यह स्टेशन राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल टर्मिनल, मेट्रो और बीआरटीएस से एलिवेटेड नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध रूप से जुड़ा होगा, जिससे सुचारू मल्टीमॉडल एकीकरण सुनिश्चित होगा और शहर में भीड़भाड़ में कमी आएगी।

रेल पटरियों के ऊपर 15 एकड़ में फैला कॉनकोर्स प्लाजा और 7 एकड़ का मेज़ेनाइन प्लाजा बनाया जाएगा, जिसमें यात्रियों के लिए प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, फूड कोर्ट, खुदरा दुकानें आदि सुविधाएं होंगी। यह पुनर्विकसित स्टेशन एक ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित होगा, जो ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर केंद्रित रहेगा।

स्टेशन में अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकें, स्वचालित पार्सल डिपो सिस्टम और दिव्यांगजन-अनुकूल संरचना (लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित) सुनिश्चित की गई हैं।

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास परियोजना न केवल आधुनिक अवसंरचना का प्रतीक बनेगी, बल्कि शहर की सांस्कृतिक विरासत को भी संजोए रखते हुए अहमदाबाद को एक प्रमुख वैश्विक महानगर के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग अधिकारी से 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, हैरान करने वाली है वजह

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेडिकल ऑफिसर को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मेडिकल ऑफिसर जो कि प्रभारी सीएचसी नैनीडांडा हैं, अदालीखाल पीएचसी पर नियुक्त नर्सिंग अधिकारी से उनकी नियुक्ति पीएचसी पर ही बनाये रखने के एवज में रिश्वत ले रहे थे।

विजिलेंस ने आरोपी को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के कार्यालय और घर पर तलाशी कर रही है। साथ ही आरोपी अधिकारी के चल अचल संपत्ति के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस टीम की पूछताछ और दस्तावेज खंगालने का काम जारी है।

विजिलेंस ने मिली जानकारी के अनुसार अदालीखाल पीएचसी पर नियुक्त नर्सिंग अधिकारी ने विजिलेंस को इस बात की शिकायत दर्ज कराई कि प्रभारी सीएचसी नैनीडांडा ने अदालीखाल पीएचसी पर उनकी नियुक्त पीएचसी पर ही बनाये रखने के

एवज में बीस हजार रुपये की रिश्वत की डिमांड की थी। इसकी शिकायत पीड़ित ने विजिलेंस से की। जिसके बाद ट्रैप टीम ने अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

सतर्कता अधिष्ठान सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा आशुतोष त्रिपाठी मेडिकल ऑफिसर/प्रभारी सीएचसी नैनीडांडा को अदालीखाल पीएचसी पर नियुक्त नर्सिंग अधिकारी/शिकायतकर्ता से उनकी नियुक्ति पीएचसी पर ही बनाये रखने के एवज में 20 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद सतर्कता सैक्टर हल्द्वानी की टीम द्वारा अभियुक्त के आवास पर चल-अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में तलाशी व पूछताछ जारी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ,सतर्कता अधिष्ठान, मुख्यालय द्वारा ट्रैप टीम को 2500 रु0 नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी। अपील जारी कर कहा कि यदि कोई राज्य के सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारी, अपने पदीय कार्य के सम्पादन में किसी प्रकार का दबाव बनाकर रिश्वत की मांग करता है तथा उसके द्वारा आय से अधिक अवैध सम्पत्ति अर्जित की गयी हो, तो इस सम्बन्ध में सतर्कता अधिष्ठान के टोल फ्री हैल्पलाइन नम्बर-1064 एवं हैं३ऱ्सस्र हैल्पलाइन नम्बर 9456592300 पर सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में निर्भीक होकर सूचना दें।

किस कार ने कुचला दुलारचंद यादव को? अब तक नहीं मिला सुराग, अनंत सिंह अब सीआईडी के रडार पर

(जीएनएस)।

मोकामा विधानसभा क्षेत्र का तारतर गांव इन दिनों सुर्खियों में है। दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में अब CID ने भी एंट्री ले ली है। सीआईडी की टीम इस केस की जांच स्थानीय पुलिस के साथ समानांतर तौर पर करेगी।

अधिकारियों का कहना है कि जांच के नतीजे दोनों एजेंसियां आपस में साझा करेंगी, ताकि किसी पक्ष के साथ अन्याय न हो सके। एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने पुष्टि की है कि सीआईडी के लिए एक अलग टीम गठित कर दी गई है। वहीं, पुलिस की कई टीमें अब भी फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

चार दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, हथियार और कार अब भी लापता

घटना को हुए चार दिन गुजर चुके हैं, लेकिन अब तक पुलिस न तो उस वाहन को बरामद कर पाई है जिससे दुलारचंद को कुचला गया, न ही घटना में इस्तेमाल हथियार का कोई पता लगा सकी है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हृदय और फेफड़ों में गंभीर चोट बताया गया है। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि दुलारचंद के पैर में गोली मारी गई, फिर कार से उन्हें रौंद दिया गया। हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो सका कि कार कौन चला रहा था और वह वाहन कहां गया।

मोकामा कांड की गुत्थी: दुलारचंद यादव की मौत हत्या थी या हादसा?

अनंत सिंह जेल में और कई सवाल अब भी अनसुलझे

मोकामा कांड की गुत्थी: दुलारचंद यादव की मौत हत्या थी या हादसा?

पुलिस ने अब तक इस मामले में

अनंत सिंह जेल में और कई सवाल अब भी अनसुलझे

अनंत सिंह से पूछताछ की तैयारी, रिमांड पर लिया जा सकता है

जांच में बड़ा मोड़ तब आया जब पता चला कि घटना के वक्त बाहुबली नेता अनंत सिंह मौके पर मौजूद थे। एसएसपी ने बताया कि 30 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान अनंत सिंह और जदयू प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी का काफिला एक ही रूट से गुजर रहा था। तभी दोनों गुटों के बीच भिड़ंत हुई और मामला हत्या तक पहुंच गया।

अब पुलिस अनंत सिंह को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी कर रही है। सवाल यह है कि गोली चलाने वाला कौन था और वह हथियार कहां से लाया गया। इसके अलावा यह भी जांचा जाएगा कि दुलारचंद को कुचलने वाली कार किसकी थी और किसने चलाई थी।

वीडियो फुटेज से पहचान में जुटी पुलिस, 80 लोग अब तक गिरफ्तार

करीब 80 लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को ही 15 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना में शामिल हर व्यक्ति की पहचान की जा सके। साथ ही फरार आरोपियों की तलाश में कई टीमों को मोकामा और उसके आस-पास के इलाकों में तैनात किया गया है।

अर्धसैनिक बलों की 13 कंपनियां तैनात, रळ्क्ष्भ मैदान में

मोकामा की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। एसटीएफ की दो यूनिट, अर्धसैनिक बलों की 13 कंपनियां और चार क्विक रिस्पॉन्स टीम (दफ्क्ष) लगातार गश्त कर रही हैं। डीएसपी और थानेदारों की संयुक्त टीम गांव-गांव छापेमारी कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही घटना से जुड़ी कार और हथियार बरामद कर लिए जाएंगे।

कौन हैं अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी, अब मोकामा में संभालेंगी मोर्चा! ऐसे शुरू हुई थी दोनों की लव स्टोरी

कई दिशाओं में चल रही जांच, बढ़ सकता है सियासी तनाव

यह मामला अब सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि सियासी गर्मी का केंद्र बन चुका है। चुनावी माहौल के बीच अनंत सिंह की गिरफ्तारी ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। सीआईडी के जांच में आने से उम्मीद है कि इस केस की असल सच्चाई सामने आएगी। फिलहाल पुलिस और सीआईडी दोनों एजेंसियां कार, हथियार और साजिश की कड़ी जोड़ने में जुटी हैं।

शुरुआती झड़प से हत्या तक- पूरा मामला एक नजर में

30 अक्टूबर को भदौर थाना क्षेत्र में दो प्रत्याशियों के समर्थकों में झड़प हुई।

तारतर गांव के दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई और बाद में कार से कुचल दिया गया।

घटना के बाद चार केस दर्ज किए गए-दो अनंत सिंह पक्ष से, दो विरोधी पक्ष से।

पुलिस ने अब तक 80 गिरफ्तारियां कीं, जबकि मुख्य वाहन और हथियार की तलाश जारी है।

अब उकळ्भी जांच में शामिल होकर पूरे केस को नई दिशा दे रही है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

मुद्दा बन रहा स्थिरता बनाम परिवर्तन

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: अस्थिर गठबंधन और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व की जंग, बिहार 2025 का चुनाव स्थिरता बनाम परिवर्तन, अनुभव बनाम युवा ऊर्जा और पुराने जातिगत आधार बनाम नए आर्थिक विमर्श के बीच का संघर्ष है। मतगणना के दिन तक, राज्य की 243 सीटों पर अनिितिता का माहौल बना रहेगा। बिहार विधानसभा चुनाव 2025: अस्थिर गठबंधन और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व की जंग बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश वुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश वुमार का राजनैतिक भविष्य भी तै करेगा। बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाम अभूतपूर्व रहा। जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश वुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पाटा (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं। एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा पैक्टर है। हालांकि, नीतीश वुमार के दलबदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर वुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे वुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिता का विषय है। नीतीश वुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निंविवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (ण्ज्ह, ण्ज्ह-श्थ) शामिल हैं।\ महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के रोजगार और विकास के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो डबल इंजन सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला युवा और विजनरी नेता की छवि से कर रहे हैं। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 सी' (कास्ट, वैंडिडेट, वैश और कोऑडिनेशन) पैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (हम) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पाटा (वीआईंपी) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो व्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईंबीसी) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। वीआईंपी, जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है। यादव-मुस्लिम (एमवाई) समीकरण आरजेडी का पारंपरिक आधार है, जबकि एनडीए वुमा-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है। यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए जंगलराज के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे डबल जंगलराज कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा (एनडीए) सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

'छठ बनाम हैलोवीन' पर संग्राम! मोदी-शाह का लालू परिवार पर हमला, प्रियंका गांधी ने कसा तंज

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल अब पूरी तरह सांस्कृतिक और धार्मिक रंग ले चुका है। सोमवार, 3 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस और अन्य दलों) पर हिंदू आस्था के त्योहारों के "अपमान" का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

बीजेपी ने लालू प्रसाद यादव के परिवार द्वारा मनाए गए "हैलोवीन" उत्सव को निशाने पर लेते हुए इसे भारतीय परंपराओं के खिलाफ बताया। अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी वार करते हुए कहा कि उन्होंने "छठी मइया का अपमान" किया है। वहीं, पीएम मोदी ने विपक्ष पर "राम मंदिर का विरोध" और "घुसपैठियों को बचाने" का आरोप लगाया।

लालू परिवार का 'हैलोवीन सेलिब्रेशन'

राजनीतिक विवाद की शुरूआत तब हुई जब आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें उनका परिवार हैलोवीन मना रहा था। यह वीडियो उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने साझा किया था, जिसमें लालू यादव अपने पोते-पोतियों के साथ हंसते-मुस्कुराते दिख रहे थे। बच्चे हैलोवीन कॉस्ट्यूम में थे, जिनमें से एक 'ग्रिम रीपर' के रूप में नजर आया।

बीजेपी ने इस वीडियो को हाथों-हाथ लेते हुए कहा कि लालू यादव वही नेता हैं जिन्होंने पहले कुंभ मेले को "फालतू" कहा था और अब "विदेशी त्योहार" मना रहे हैं। बीजेपी किसान मोर्चा ने एक्स ( ) पर लिखा – "बिहार के लोगों, मत भूलिए! यही लालू यादव हैं जिन्होंने आस्था और अध्यात्म के महापर्व कुंभ को 'फालतू' कहा था, और अब हैलोवीन का जश्न मना रहे हैं।"

पीएम मोदी का हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चुनावी सभाओं में विपक्ष पर तीखा वार किया। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता न तो छठ पूजा का सम्मान करते हैं, न ही राम मंदिर निर्माण का समर्थन करते हैं। मोदी ने कहा – ये वही लोग हैं जो हर बार घुसपैठियों को बचाने के लिए कूद पड़ते हैं। इनकी राजनीति देश की सुरक्षा से समझौता करती है। मोदी का यह बयान बिहार के उन इलाकों में आया जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर सांप्रदायिक कोण नहीं जोड़ा, लेकिन संकेत साफ थे कि बीजेपी अब सांस्कृतिक पहचान को केंद्र में रखकर चुनावी नैरेटिव गढ़ रही है।

शिवहर में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शाह ने महागठबंधन पर आरोप लगाया कि ये दल न केवल हिंदू त्योहारों का मजाक उड़ा रहे हैं, बल्कि विदेशी संस्कृति और घुसपैठियों को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रियंका गांधी का पलटवार

बीजेपी के इस सांस्कृतिक मोर्चे पर जवाब देते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष पर "अपमान" का आरोप लगाते हैं। सहरसा और लखीसराय में रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा , मोदी जी विकास की बात नहीं करते। हर दिन कहते हैं कि किसी ने उनका अपमान किया। उन्हें एक नया मंत्रालय बनाना चाहिए – 'अपमान मंत्रालय', क्योंकि यही काम उनकी सरकार सबसे ज्यादा करती है। प्रियंका ने कहा कि बिहार की जनता अब बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार पर जवाब मांग रही है, लेकिन प्रधानमंत्री हर सवाल से बचने के लिए भावनाओं का सहारा ले रहे हैं।

'छठ बनाम हैलोवीन': चुनावी नैरेटिव

बिहार में इस बार चुनावी जंग सिर्फ गठबंधनों के बीच नहीं, बल्कि "संस्कृति बनाम पश्चिमी प्रभाव" के बीच भी दिख रही है। बीजेपी जहां छठ, राम मंदिर और हिंदू अस्मिता को केंद्र में रखकर जनता से जुड़ने की कोशिश कर रही है, वहीं महागठबंधन बेरोजगारी, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरना चाहता है।

आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या "छठ बनाम हैलोवीन" की यह सियासी जंग वोटों में बदल पाती है या जनता विकास को ही असली मुद्दा मानकर अपना फैसला सुनाती है।

22 साल की उम्र में अरबपति बने भारतीय मूल के लड़के, फेसबक के मालिक का तोड़ा रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

22-22 साल के तीन दोस्तों ने अपनी मेहनत और दिमाग के बल पर इतिहास रच दिया है। इनमें दो भारतीय-अमेरिकी – आदर्श हीरेमठ और सूर्या मिधा, और उनके अमेरिकी दोस्त ब्रेंडन फूडी शामिल हैं।

$10 बिलियन की बनाई कंपनी

इन तीनों ने अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित कंपनी Mercor के जरिए दुनिया के सबसे युवा अरबपति बनने का गौरव हासिल किया है। Mercor ने हाल ही में 350 मिलियन डॉलर का इन्वेस्टमेंट उठाया है, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन 10 बिलियन डॉलर (लगभग ₹83,000 करोड़) तक पहुंच गई। इस सफलता के साथ ही तीनों दोस्तों ने टीइ् के सीईओ मार्क जकरबर्ग का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2008 में 23 साल की उम्र में पहली बार Forbes Billionaire List में जगह बनाई थी।

स्कूल से लेकर स्टार्टअप तक

भारतीय मूल के आदर्श हीरेमठ और सूर्या मिधा का जन्म कैलिफोर्निया के सैन होजे में हुआ। दोनों ने Bellarmine College Preparatory, एक प्रतिष्ठित ऑल-बॉयज हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। यहीं से उनकी तार्किक सोच, टीमवर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित हुई। शिक्षकों के अनुसार, दोनों डिबेट टीम के एक्टिव मेंबर थे, जहां उन्होंने रणनीतिक सोच और निर्णायक क्षमताओं को निखारा। वही कौशल आगे चलकर Mercor की सफलता का आधार बने।

हार्वर्ड से लेकर अक कंपनी तक का सफर

आदर्श हीरेमठ ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में डिग्री प्राप्त की। वहां उन्होंने मैक्रोइकॉनॉमिक्स विभाग में एक रिसर्च असिस्टेंट के रूप में भी काम किया। पढ़ाई के दूसरे वर्ष में ही उन्होंने अपने हॉस्टल रूम से Mercor की सह-स्थापना की।

मानव श्रम और AI

हीरेमठ का मानना था कि "लेबर एग्रीगेशन यानी मानव श्रम को अक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए जोड़ा जा सकता है," और यही 21वीं सदी का सबसे बड़ा अवसर होगा। बेलार्मिन में उन्होंने राष्ट्रीय नीति वाद-विवाद प्रतियोगिता में भी जीत हासिल की, जिसने उनकी एनालिटिकल स्किल को और निखारा।

अरबपति इन्वेस्टर के आगे पिच किया आइडिया

Forbes की रिपोर्ट के अनुसार, आदर्श हीरेमठ अरबपति निवेशक पीटर थील के कार्यक्रम "Thiel Fellowship" के सदस्य हैं। इस फेलोशिप के तहत हर साल चुनिंदा युवा उद्यमियों को कॉलेज छोड़कर नवाचार करने के लिए $100,000 (एक लाख डॉलर) की ग्रांट दी जाती है।

भारतीय इंजीनियरों के लिए शुरू हुई Mercor

Mercor की शुरूआत वर्ष 2023 में हुई थी। इसका उद्देश्य भारतीय इंजीनियरों को अमेरिकी कंपनियों से जोड़ना था, जो फ्रीलांस कोडर्स की तलाश में थीं। Mercor ने तेजी से वृद्धि की और आज यह कंपनी AI-आधारित टैलेंट मैचिंग, ऑटोमेटेड इंटरव्यू सिस्टम और ग्लोबल रिमोट वर्क प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित हो चुकी है।

युवा अरबपतियों में बढ़ा कॉम्प्टीशन

27 साल शेन कॉपलन, जो क्रिप्टोकरेंसी प्रेडिक्शन प्लेटफॉर्म Polymarket के संस्थापक हैं, हाल ही में अरबपतियों की सूची में शामिल हुए। उन्हें न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के मालिक Intercontinental Exchange से $2 अरब डॉलर का निवेश मिला। इससे पहले, Scale AI के संस्थापक अलेक्जेंडर वांग (28 वर्ष) ने 18 महीनों तक यह खिताब अपने नाम रखा था। वहीं, उनकी सह-संस्थापक लूसी गुओ 30 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला अरबपति बनीं, और इस मामले में उन्होंने टेलर स्विफ्ट को भी पीछे छोड़ दिया।

आदर्श हीरेमठ कौन हैं? और क्या है उनका Mercor से रिश्ता?

Adarsh Hiremath एक अमेरिकी व्यवसायी हैं और Mercor के सह-संस्थापक एवं CTO (Chief Technology Officer) हैं। 2025 में Forbes की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कंपनी की वैल्यूएशन लगभग $10 बिलियन हो चुकी है, जिससे हीरेमठ और उनके सह-संस्थापक दुनिया के सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड अरबपतियों में शामिल हो गए। कंपनी के AI-इंटरव्यू सिस्टम, प्लेटफॉर्म आर्किटेक्चर, और टैलेंट मैचिंग तकनीक उनके नेतृत्व में विकसित की गई हैं।

हीरेमठ का कहना है- "अगर मैं Mercor पर काम नहीं कर रहा होता, तो शायद अभी कॉलेज से ग्रैजुएट हो रहा होता।"

दिल्ली से हैं सूर्या मिधा की जड़ें

Surya Midha, Mercor के सह-संस्थापक और अरबपति बनने वाले सबसे युवा उद्यमियों में से एक हैं। उनके माता-पिता नई दिल्ली से अमेरिका आए थे। सूर्या का जन्म माउंटेन व्यू, कैलिफोर्निया में हुआ और वे सैन होजे में पले-बढ़े। उन्होंने Georgetown University से Foreign Studies में स्नातक की डिग्री हासिल की। उनके सह-संस्थापक ब्रेंडन फूडी भी Georgetown University में पढ़ाई कर रहे थे, जहां वे Economics विषय के छात्र थे।

बिहार के चुनाव पर दुनिया की निगाहें; सात देशों के राजनयिकों ने किया दौरा, पीएम मोदी की सभा में हुए शामिल

बिहार के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान को देखने-समझने के लिए सात देशों के राजनयिकों ने बिहार का दो दिन का दौरा किया। उन्होंने पीएम मोदी की एक जनसभा भी देखी।

बिहार में विदेशी राजनयिकों ने बीजेपी का चुनाव प्रचार अभियान देखा।

पटनाः बिहार के विधानसभा चुनाव पर सिर्फ देश की ही नहीं दुनिया की निगाहें टिकी हैं। बिहार के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रचार अभियान कई देशों की जिज्ञासा का विषय है। जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन), भूटान और दक्षिण अफ्रीका के राजनयिकों (डिप्लोमेट) के एक दल ने बिहार का दौरा किया है।

सात देशों के राजनयिकों ने बीजेपी के चुनाव प्रचार अभियान को करीब से देखने के लिए बिहार का दो दिन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक जनसभा

देखी और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। यह दल रविवार को बिहार पहुंचा था और उसने आरा में प्रधानमंत्री मोदी की रैली में लोगों की भारी भीड़ और उनका जोश देखा।

राजनयिकों का यह दल बिहार के विधानसभा चुनाव और इसमें बीजेपी के प्रचार को जानने-समझने के लिए यहां आया था। बीजेपी के विदेश मामलों के प्रभारी विजय चौथाईवाले ने बताया कि, "प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आरा में हुई जनसभा देखी। वहां उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान लोगों की भारी भागीदारी और जोश को महसूस किया।"

इस दो दिन के दौरे के दौरान राजनयिकों ने रवि शंकर प्रसाद, धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े जैसे बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी की। उन्होंने जमीनी स्तर पर घर-घर जाकर किए जा रहे चुनाव प्रचार को भी देखा।

बीजेपी की रणनीतियों को समझने की कोशिश

चौथाईवाले ने कहा कि, "उन्होंने बाद में पटना में बीजेपी के राज्य मुख्यालय का दौरा किया और पार्टी के संगठन, संचार रणनीति और चुनाव प्रबंधन प्रणाली को समझने के लिए वरिष्ठ नेताओं से बातचीत की।" इस दौरे का मुख्य उद्देश्य विदेशी राजनयिकों को भारत में एक प्रमुख राजनीतिक दल के चुनाव प्रचार के तौर-तरीकों से अवगत कराना था। उन्होंने पार्टी की जमीनी स्तर की गतिविधियों और राष्ट्रीय स्तर की रणनीतियों को समझने की कोशिश की।

बिहार में चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होंगे, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पहले चरण में 121 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। दूसरे चरण में 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

चीन में कैसे मर गए 76 युवा वैज्ञानिक? क्या फिर महामारी फैलाने वाला है ड्रैगन?

(जीएनएस)।

युवा वैज्ञानिकों की मृत्यु दर को ट्रैक करने वाले एक नए डेटाबेस ने शिक्षाविदों और समाज में बड़ी चिंता पैदा कर दी है। इस डेटा ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या वास्तव में वैज्ञानिकों में कोई चिंताजनक पैटर्न उभर रहा है। हालांकि, इस सूची को लेकर कई लोगों ने आलोचना भी की है- उनका कहना है कि इस तरह के डेटा के उपयोग से नैतिक मुद्दे उठते हैं और यह जरूरी नहीं कि यह पूरी तस्वीर सामने लाता हो।

एक साल में 76 युवा शोधकताओं की मौत

कंप्यूटर प्रोग्रामरों के लिए बनाए गए ऑनलाइन मंच CSND पर पिछले सप्ताह एक फाइल पोस्ट की गई थी। इस फाइल के अनुसार, साल 2025 में अब तक 60 वर्ष से कम उम्र के कम से कम 76 शोधकताओं की मृत्यु हो चुकी है, जबकि पिछले पूरे साल यह संख्या 44 थी।

इस सूची में सबसे कम उम्र की वैज्ञानिक डॉन्ग सिजिया थीं- वे नानजिंग विश्वविद्यालय में समुद्र विज्ञान की सहायक प्रोफेसर थीं और उनकी मृत्यु सिर्फ 33 वर्ष की उम्र में हो गई। इस बीच, हांगकांग में युवाओं की आत्महत्या दर लगातार बढ़ रही है, जिसने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है।

सरकार को चेताने के लिए खोली पोल

गुआंग्डोंग प्रांत के एक गुमनाम संकलक ने यह डेटा तैयार किया है। उनका कहना है कि यह सूची सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी पर आधारित है और इसका मकसद लोगों को जागरूक करना, क्षेत्रीय असमानता को दिखाना, और सरकार को नीति निर्माण में मदद देना है।

डेटा इकट्ठा करने वाले के मुताबिक, यह डेटा शोध के लिए एक सहायक उपकरण बन सकता है जो चीन में अकादमिक तनाव और क्षेत्रीय विषमता को बेहतर समझने में मदद करेगा। इसके अलावा सरकारी तंत्र कैसे लोगों से काम करा रहा है उसकी भी पोल खोलना जरूरी है।

छेड़ी नई बहस

हालांकि, इस डेटा ने चीन में नैतिक बहस को जन्म दे दिया है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या इन मृत वैज्ञानिकों के परिवारों से अनुमति ली गई थी या नहीं। कुछ ने यह भी कहा कि यह तरीका संवेदनहीनता को दशार्ता है, क्योंकि मृत व्यक्तियों की निजी जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा की गई है।

केवल युवा वैज्ञानिकों पर ध्यान क्यों?

कई आलोचकों ने यह भी सवाल उठाया कि केवल युवा शिक्षकों और शोधकताओं को ही इस सूची में क्यों शामिल किया गया है। उनका कहना है कि अगर उद्देश्य मृत्यु दर को समझना है, तो अन्य पेशों जैसे मजदूरों, ड्राइवरों या फैक्ट्री वर्करों के आंकड़ों की तुलना भी की जानी चाहिए। इससे स्पष्ट होगा कि क्या वैज्ञानिकों की मृत्यु दर वास्तव में अधिक है या नहीं।

वैज्ञानिकों में बढ़ता तनाव और आत्महत्या की घटनाएं

मई 2024 में Preventive Medicine Reports जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में भी इसी तरह की चिंताएँ जताई गई थीं। रिसर्च में पाया गया कि एकेडमी में आत्महत्याओं की संख्या बढ़ रही है, जबकि देश के अन्य हिस्सों में यह घट रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश पीड़ित युवा पुरुष वैज्ञानिक थे, जो साइंस और इंजीनियरिंग जैसे कठिन विषयों से जुड़े थे। इनमें से लगभग 65% मामलों में काम का अत्यधिक दबाव मुख्य कारण बताया गया था।

बीसीसीआई के 51 करोड़ इनाम का कैसे होगा बंटवारा? हर खिलाड़ी के खाते में कितना पैसा आएगा

(जीएनएस)।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीत इतिहास रच दिया, इसके बाद बीसीसीआई ने टीम को 51 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। यह भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है, जिसने खिलाड़ियों और फैन्स दोनों का दिल जीत लिया है।

सवाल यह भी है कि महिला टीम को इतनी बड़ी राशि कैसे मिलेगी, क्या प्रोसेस होगा और किस खिलाड़ी को कितने रुपये मिलने वाले हैं। पुरुष टीमों को भी जब इस तरह की रकम मिली है, तब भी बंटवारा हुआ था लेकिन अकेले प्लेयर्स ने रकम नहीं बांटी थी।

हर खिलाड़ी को मिलेगा कितना पैसा?

महिला टीम में कुल 15 खिलाड़ी और 3 कोचिंग स्टाफ मिलाकर 18 सदस्य हैं। इन 18 लोगों में यह रकम

बांटी जाती है, तो हर सदस्य को करीब 2.83 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। इसके अलावा भी एक और समीकरण सामने आता है।

सपोर्ट स्टाफ में बराबर पैसा बांटने पर कितने मिलेगा?

जब इसमें कंडीशनिंग कोच, फिजियो, एनालिस्ट, डॉक्टर और ट्रेनर जैसे सपोर्ट स्टाफ को भी शामिल कर लिया जाए, तो कुल संख्या लगभग 25 सदस्यों की हो जाती है। अब अगर यह इनामी राशि इन 25 लोगों में बराबर बांटी जाए, तो इस स्थिति में हर सदस्य को लगभग 2.04 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। इसमें एक बात तो तय है कि दोनों ही कंडीशंस में हर प्लेयर को 2 करोड़ से कम राशि तो नहीं मिलने वाली है।

आईसीसी से भी मिली है बड़ी विनिंग प्राइज मनी

बोर्ड की इनामी राशि के अलावा प्लेयर्स को आईसीसी ने भी एक बड़ी रकम दी है, 40 करोड़ के करीब इनामी राशि विनर टीम के लिए थी और महिला वर्ल्ड कप के इतिहास में यह सबसे बड़ी रकम है, जो टीम इंडिया को मिली है।

फाइनल मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला गया। इस रोमांचक फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 298 रन बनाए। शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 87 रन बनाए। जवाब में खेलते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 246 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

दस महीनों में ही स्कोडा ऑटो इंडिया की सालाना बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

अक्टूबर में दर्ज की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री

लखनऊ। स्कोडा ऑटो इण्डिया ने बीते अक्टूबर माह में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुये देश में अपनी अब तक की सर्वाधिक वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया। इस साल भारत में अपने 25 साल पूरे करने वाली स्कोडा ऑटो इण्डिया ने जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच 61,607 वाहनों की बिक्री दर्ज की। यह उपलब्धि कंपनी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ तिमाही और अर्धवार्षिक प्रदर्शन के बाद आई है। अक्टूबर 2025 में 8,252 से अधिक यूनिट्स की बिक्रीके साथ स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी मासिक बिक्रीभी दर्ज की है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में आशीष गुप्ता, ब्रांड डायरेक्टर, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कहा, 'हमने वर्ष 2025 की शुरूआत भारत में ब्रांड को मजबूती से आगे बढ़ाने और नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के संकल्प के साथ की थी। यह 'अब तक की सबसे

बड़ी बिक्री' हमारे स्पष्ट दृष्टिकोण, दृढ़ संकल्प और तेज कार्यान्वयन का प्रमाण है कृ इन्हीं ने भारत में हमारी प्रगति को नई गति दी है। हमारा नए और आकर्षक मॉडलों की पेशकश, भारतीय ग्राहकों से जुड़ती हमारी संवाद शैली, 318 ग्राहक टच प्वाइंट्स तक विस्तारित नेटवर्क और नए भौगोलिक क्षेत्रों में उपस्थिति, ये सभी हमारे 25वें वर्ष को भारत में अब तक का सबसे सफल वर्ष बनाने में निर्णायक रहे हैं। इस शानदार वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका रही स्कोडा ऑटो इंडिया की पहलीसब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की, जिसकी बिक्री निरंतर मजबूती से बढ़ रही है। इसके साथ ही, ब्रांड की फ्लैगशिप लक्जरी 4 गुणा 4 कोडियाक, लोकप्रिय कुशाक और स्लाविया मॉडलों का योगदान भी लगातार बना हुआ है। वहीं, उच्च-प्रदर्शन वाली ऑक्टैविया आरएस लॉन्च के केवल 20 मिनट के भीतर ही पूरी तरह बिक गई। स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए यह वर्ष उसके उत्पाद नवाचार और नेटवर्क विस्तार रणनीति की सफलता से प्रेरित रहा है। ब्रांड की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काईलैक' लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों की पहली पसंद बन गई है - अब तक इसकी 40,000 से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं। कुशाक और स्लाविया के लिमिटेड एडिशन मॉडलों ने ग्राहकों के लिए ब्रांड के मूल्य प्रस्ताव को और आकर्षक बनाया है, जबकि फ्लैगशिप 4गुणा4 कोडियाक ने लक्जरी अनुभव को नई ऊँचाई दी है। ऑटो प्रेमियों के लिए प्रतिष्ठितओक्टैविया आरएस ने परफॉर्मेंस और ड्राइविंग का रोमांच फिर से जीवंत कर दिया है। कुशाक और काइलैक मॉडलों की 2,00,000 से अधिक कारों की बिक्री का महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। कंपनी का नेटवर्क अब 180 शहरों में 318 ग्राहक टच प्वाइंट्स तक फैल चुका है। काइलैक, कुशाक और कोडियाक के साथ स्कोडा अब हर आकांक्षा के अनुरूप एसयूवी विकल्प प्रदान करती है, जबकि स्लाविया और ऑक्टैविया आरएस की वापसी के साथ अपने प्रतिष्ठित सेडान सेगमेंट की विरासत को भी आगे बढ़ा रही है।

विद्युत विभाग के केबल चोरी कांड में एसएमएम कंपनी के सुपरवाइजर सहित चालक गिरफ्तार

खखरेरू/फतेहपुर विद्युत विभाग में कार्यरत एसएमएस कंपनी के सुपरवाइजर शिवम सिंह सहित डीसीएम चालक को विद्युत केबल एवं उपकरण साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके न्यायालय भेजने की कार्रवाई की

2 नवंबर को बिना वैंध कागजात के एसएमएस कंपनी के सुपरवाइजर को केबल डिस्ट्रीब्यूटर बॉक्स क्लैंप जीआई तार को डीसीएम में लादकर ले जाते समय अवर अभियंता रणविजय सिंह ने पकड़ा था इसके बाद स्थानीय थाने में चोरी की तहरीर दिया था इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने चचिडा मोड़ के पास से बरामद कर डीसीएम रजिस्ट्रेशन नंबर

ढइ10ङउ0452 विद्युत उपकरण सहित ट्रक चालक दीनानाथ यादव निवासी करौंदी थाना मकनपुर जनपद गोंडा शिवम सिंह सुपरवाइजर निवासी महीपत का पुरवा थाना कोतवाली देहात जनपद गोंडा को गिरफ्तार कर चोरी की सुसंगत धारों में मुकदमा पंजीकृत करके न्यायालय भेजा गया।

जाली लिंक, फिशिंग कॉल, मैलिशियस ऐपः फ्लिपकार्ट ने ऑनलाईन शॉपिंग करते वक्त सुरक्षित रहने के लिए सुझाव दिए

लखनऊ, 3 नवंबर 2025: ऑनलाईन शॉपिंग भारत में लाखों लोगों के जीवन का तरीका बन गई है। इसलिए सतर्क रहना बहुत आवश्यक हो चुका है। साईबर धोखेबाज लगातार अपने तरीकों में सुधार कर रहे हैं, वो नकली वेबसाईट, स्कैम कॉल्स और मैलिशियस ऐप्स बनाते हैं, जो भोले-भाले ग्राहकों को भ्रमित करके उन्हें चूना लगा देते हैं।

ये कोई मौसमी खतरे नहीं हैं। ये लगातार बने रहने वाले वो अवसरवादी खतरे हैं, जो मौका मिलते ही सामने आ जाते हैं और गंभीरता दिखाकर या उत्साह का फायदा उठा लेते हैं। ये खतरे दैनिक जीवन में सेंध लगा लेते हैं और आकर्षक डील्स ब्राउज करने से लेकर "एड टू कार्ट" पर क्लिक करने तक कहीं भी घुसपैठ कर सकते हैं। इसीलिए केवल बड़े अवसरों पर ही नहीं, बल्कि ऑनलाईन शॉपिंग के दौरान हर खरीद के लिए सूचित व सतर्क रहना बहुत आवश्यक है।

इन खतरों से ग्राहकों की सुरक्षा करने के लिए फ्लिपकार्ट ने ऑनलाईन शॉपिंग करते वक्त रखने वाली सावधानियों की एक गाईडलाइन जारी की है। यह गाईड अपने फ्लिपकार्ट खाते और डेटा को सुरक्षित रखने के लिए सरल और प्रभावशाली उपाय बताती है। चाहे संदिग्ध लिंक हो या फिर धोखाधड़ी वाली कॉल, साईबर दुनिया में सुरक्षित रहने के उपाय निम्नलिखित हैं।

ऑनलाईन शॉपिंग? सुरक्षित रहने और क्लिक करने से पहले ही स्कैम को पहचानने के उपाय

- स्कैम कॉल्स और सोशल इंजीनियरिंग से सावधान रहें: यदि कोई आपसे कहे कि वह फ्लिपकार्ट से बात कर रहा है और आपसे ऐप को इंस्टॉल करने या संवेदनशील जानकारी (ओटीपी, पिन, सीवीवी) देने के लिए कहे, तो कोई जवाब नहीं दें। फ्लिपकार्ट ये जानकारी कभी नहीं मांगता है।
- अविश्वसनीय रूप से अच्छे दिखने वाले ऑफरों के जाल में न फँसें: जालसाज अविश्वसनीय रूप से ज्यादा डिस्काउंट देकर ग्राहकों को लुभाने की कोशिश करते हैं। वो आपको केवल 2,499 रुपये में स्मार्टफोन का लालच देंगे। ऐसी डील्स के बारे में हमेशा आधिकारिक ऐप पर जाकर जानकारी लें। मैसेज, ईमेल या सोशल मीडिया पर ऐसे लुभावने लिंक्स पर क्लिक न करें।
- मैलिशियस लिंक्स से सतर्क रहें, ये एसएमएस, ईमेल या पॉप-अप्स द्वारा भेजे जा सकते हैं। मैसेज या ईमेल द्वारा भेजे गए मैलिशियस लिंक पुरस्कार या तुरंत अकाउंट अपडेट करने का झांसा देकर स्पाईवेयर इंस्टॉल कर देते हैं या फिर फिशिंग साईट्स पर रिडायरेक्ट कर देते हैं। इसलिए अज्ञात लिंक्स पर क्लिक न करें और संदिग्ध मैसेजेस को तुरंत डिलीट कर दें।

Flipkart

- केवल सत्यापित प्लेटफॉर्म पर भरोसा करें: केवल आधिकारिक चैनल, मोबाईल ऐप, और सत्यापित सोशल हैंडल का ही उपयोग करें। नकली वेबसाईट और ऐप अक्सर ब्रांडिंग की नकल कर देते हैं। इसलिए यूआरएल और डेवलपर का नाम सदैव जाँच लें।
- नकली ऐप या वेबसाईट के संकेतों को जाँच लें: गलत स्पैलिंग, स्मज किए हुए लोगो से पहचान करें। वेबसाईट पर टूटी हुई कार्ट, इनएक्टिव मेन्यू, और सिक्योरिटी सर्टिफिकेट न होना (एड्रेस बार में लॉक आईकन न होना) खतरे का संकेत है।
- अपने खाते को मजबूत और सुरक्षित बनाएं: एक मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें, जिसमें नंबर, संकेत और कैपिटल लैटर्स हों। पासवर्ड को समय-समय पर बदलते रहें और अपना पासवर्ड किसी को भी न बताएं। जरूरत पड़े तो आधिकारिक ऐप द्वारा ओटीपी की मदद से इसे रीसेट कर लें।
- अपनी डिवाईस की निगरानी करते रहें: अपरिचित ऐप, अचानक परफॉर्मेंस कम हो जाना, या अनधिकृत गतिविधियाँ संकेत देती हैं कि आपकी डिवाईस में किसी ने सेंध लगा ली है। संदिग्ध ऐप्स को तुरंत डिलीट कर दें। ब्राउजर की कैश और डाउनलोड को साफ कर दें और एंटीवायरस स्कैन चलाएं। जरूरत हो तो सेफ मोड में रिबूट करें और फैक्ट्री रिसेट कर दें।
- संदिग्ध गतिविधि की फौरन सूचना दें: नकली एसएमएस, कॉल या ऐप की फ्लिपकार्ट हैल्प सेंटर पर तुरंत सूचना दें। आपके अलर्ट से हजारों अन्य ग्राहकों का बचाव हो सकता है।

साईबर स्कैम गंभीरता, भ्रम और विश्वास का सहारा लेकर बढ़ते हैं। आप अपने आप को जितना अधिक सूचित रखेंगे, जालसाजों के लिए आपको फँसाना उतना ही अधिक मुश्किल हो जाएगा। फ्लिपकार्ट डिजिटल सुरक्षा उपायों में लगातार सुधार कर रहा है। आप भी सतर्क रहकर, स्रोत का सत्यापन करके, और संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देकर सुरक्षा बढ़ाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

अब जयपुर से दिल्ली का सफर हुआ और भी आसान

(जीएनएस)।

दिल्ली से जयपुर आवाजाही करनेवालों में बड़ी संख्या पर्यटकों की भी होती है। इसमें विदेशी पर्यटकों के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। वीकेंड में या दो-तीन दिन की छुट्टियों के लिए पिंक सिटी घूमने-फिरने के लिए अच्छी जगह है। इसे देखते हुए दिल्ली से जयपुर के लिए नियमित ट्रेन सेवाओं के साथ ही वंदे भारत भी शुरू की गई है। इसके अलावा, फ्लाइट्स की संख्या भी बढ़ाकर 5 से 10 कर दी गई है। इससे आम यात्रियों के साथ पर्यटकों को भी काफी सुविधा हो गई है

जयपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है, जिससे अब राजधानी तक पहुंचना और भी आसान हो गया है। ट्रेन और हवाई मार्ग के अलावा जयपुर पहुंचने का लोकप्रिय विकल्प सड़क मार्ग भी है। राज्य ट्रांसपोर्ट के अलावा, प्राइवेट बस सेवाएं भी इस रूट पर आसानी से मिल जाती हैं।

- जयपुर और दिल्ली के बीच की दूरी लगभग 250 किलोमीटर है, जिसे आमतौर पर चार घंटे में तय किया

जाता है। अब इस रूट पर बसों, सुपरफास्ट ट्रेनों और वंदे भारत के साथ-साथ हवाई सेवाओं का विस्तार हुआ है।

- पहले जहां जयपुर से दिल्ली के बीच केवल 5 उड़ानें संचालित होती थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई है। इनमें से 9 फ्लाइट्स रोजाना चलेंगी, जबकि 1 अतिरिक्त उड़ान हर शनिवार को संचालित होगी।

- रविवार से शुक्रवार तक 9 फ्लाइट्स और शनिवार को 10 फ्लाइट्स की सुविधा यात्रियों को मिलेगी।

मां ने युवक पर लगाया आरोप – बेटी को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला दर्ज

खखरेरू/फतेहपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने गांव के ही युवक पर उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है।

पीड़िता ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को गांव के रहने वाले नरेंद्र कुमार पुत्र अमरनाथ बहला-फुसलाकर अपने साथ लेकर कहीं चला गया। महिला ने बताया कि वह कल दोपहर करीब तीन बजे खेतों में काम करने गई थी। जब शाम को घर लौटी तो दरवाजा खुला मिला और घर के अंदर रखे सोने के झुमके, छागल व हाफ पेटी भी गायब थे।

परिजनों ने आसपास खोजबीन की तो पता चला कि गांव का नरेंद्र कुमार दोपहर से ही घर से लापता है।

थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में लिया गया है। आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व का आयोजन हुआ।

(जीएनएस)।

विकास असोथर खंड असोथर मे विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व ब्लॉक प्रमुख शत्रुघ्न निषाद के अध्यक्षता में हुई जिसमें विशिष्ट अतिथि आय शाह विधायक विकास गुप्ता के नेतृत्व में आयोजन हुआ इन बिंदुओं में विकसित होगा भारत समग्र विकास आर्थिक नेतृत्व संस्कृत पुनर्जागरण, आर्थिक समृद्धि कृषि विकास पशुधन औद्योगिक विकास आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स पर्यटन विरासत से विकास व रोजगार तक नगर विकास अवस्थापना विकास संतुलित विकास जलवायु साहिवष्णु, सामाजिक सुरक्षा एवं गरीब कल्याण , स्वास्थ्य एवं शिक्षा शिक्षा एवं कौशल विकास आदि के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अयाह साह विधायक विकास गुप्ता ब्लॉक प्रमुख शत्रुघ्न शत्रुघ्न निषाद नगर पंचायत अध्यक्ष नीरज सेंगर प्रधान प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष हसवा शिव पूजन तिवारी मंडल अध्यक्ष असोथर राम महेश निषाद चेतन त्रिपाठी ग्राम पंचायत अधिकारी दीपक तिवारी वीरेंद्र निषाद सचिन पटेल आदेश श्रीवास्तव स्वामी दीन डी हेमराज पाल शिवबरन निषाद पूर्व त्यागी बाबाआदि उपस्थित रहे

आखिरकार सबके लिए खुल गए दरवाजे

लखनऊ । 'हेरिटेज ऑफ अवध' नामक ट्रस्ट द्वारा एक नाटक 'दरवाजे खोल दा' का मंचन इंटीग्रल युनिवर्सिटी,कुर्सी रोड,लखनऊ में किया गया । जिसमें विभिन्न किरदारों ने अपनी कला से दर्शकों को लगातार नाटक से जोड़े रखा । देश में करोड़ो लोग रोजी-रोटी की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर में जाते रहते है । इस दौरान जो सबसे बड़ी समस्या से सबको गुजरना पड़ता है वह है सही किराये में और सही जगह पर एक अदद मकान की । जिसमें वह व्यक्ति अपने परिवार के साथ सुकून से रह सके । इसी किराये के मकान की तलाश में आने वाली दिक्कतों को इस नाटक में अच्छी तरह से दिखाया गया है ।

नाटक में कई मकानों के मालिक गुरुदत्त पांडे ने रामदयाल के रुप में अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें वह किरायेदारों के इंटरव्यू लेते दिखते हैं और किसी न किसी वजह से वह किसी को भी मकान नहीं देते हैं । किरायेदारों के रुप में कई परिवार रामदयाल से मकान लेने आते हैं जिसमें मुख्य रुप से पहले किरायेदार कृपा राम भारद्वाज व उनकी पत्नी सावित्री देवी नकली नाम से आते हैं लेकिन जब उनकी असलियत पता लगती है कि वह मुसलमान हैं तो पंडित रामदयाल काफी नाराज होकर उनको घर से भगा देते है। दूसरे किरायेदार के रुप में मुन्नन(रोहित श्रीवास्तव) आते है जो लखनऊ के कायस्थ फैमिली से होते है इनको भी पंडित रामदयाल मकान इस वजह से मकान नहीं देते हैं कि यह उर्दू बोलते हैं और मांस मछली खाते है । तीसरे किरायेदार हिन्दू पठान आफताब रॉय (सौरभ शुक्ला)आते है । उनको भी रामदयाल मकान नहीं देते है क्योंकि वह भी मांस मछली खाते है और शराब और मुजरे के भी शौकीन है । चौथे किरायेदार के रुप में दक्षिण भारतीय वेल्लू (जावेद अहमद)आता है जो कि काफी बड़ा आदमी है लेकिन बाद में पता चलता है कि वह दलित है इस कारण पंडित रामदयाल उनसे बहुत नाराज होते है। और कहते हैं कि हम किसी दलित को मकान नहीं देंगे । अन्त में एक क्रिशिचियन डाक्टर और उनकी बेटी आते है पंडित रामदयाल उनको भी मकान देने से इस वजह से मना करते है कि यह तो अंग्रेज है यह तो सब कुछ खाते होंगे । लेकिन यहीं पर पंडित रामदयाल को अचानक दिल का दौरा पड़ जाता है । पंडित रामदयाल को दौरा पड़ने के कारण उनका बेटा कमलकान्त डाक्टर कोएलू (बी डी नकवी)से खुशामद करता है कि वह उसके पिता जी को देख लें वह मरने वाले है तब डाक्टर कोएलू राजी होते हैं पंडित रामदयाल को चेक करते है और उनको दवा देते है जिससे रामदयाल सही हो जाते है । रामदयाल दोबारा जीवित होते हैं तब उनकी आत्मा भी जीवित हो जाती जिससे उनका मन भी बदल जाता है । पंडित रामदयाल कहते है कि मुझे रास्ते में मेरी आत्मा मिली जिसने मुझसे कहा कि इस रास्ते पर चलकर ना तुम कभी मंजिल पर पहुंच सकोगे न मैं। क्योंकि यह रास्ता पुराना हो गया है । अब यह रास्ता कहीं नहीं जाता। मैंने पूछा तो आगे जाने की तरकीब क्या है? वह बोली आगे वही लोग जाते हैं जो अपने घर के दरवाजे खुले रखते हैं । यह घर जैसे हिंदू मुसलमान सिख ईसाई पारसी यहूदी ने मिलकर बनाया है । अगर यह सब मिलकर इस घर में नहीं रहेंगे तो यह घर कैसे आबाद होगा । और कैसे तरक्की करेगा । और कैसे इसका झंडा आसमान पर बुलंद होगा।

इस बेहतरीन नाट्य रूपांतर को देखने के लिए इंटीग्रल यनिवर्सिटी के प्रोफेसर व बड़ी तादाद में स्टूडेन्ट व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नाटक का निद्रेशन बी0डी0नकवी (रिटायर्ड जज) , सहायक निद्रेशक रियाज अल्वी,जावेद एवं विनीता सिंह, कार्यशाला निद्रेशक रहमान खान , प्रोड्यूसर मुजतबा खान व म्यिुजिक डायरेक्टर धीरेन्द्र, सेट डिजाइन-शकील अहमद मेकअप-सोनी , स्टेज इंचार्ज -तारिक खान , डांस डायरेक्टर -नावेद ने हिस्सा लेकर इस नाटक को कामयाब बनाने में अपना योगदान दिया ।

कैरेक्टर वाइज पात्र परिचय

1-राम दयाल के रुप में - गुरुदत्त पांडे
2-मिर्जा जी के रुप में - शक्ति मिश्रा
3-कृपाराम भारद्वाज/आफताब रॉय के रुप में - सौरभ शुक्ला
4- सावित्री और बालो के रुप में - विनीता सिंह
5- राम भरोसे और शकूरा के रुप में - राम कुमार यादव
6- वेल्लू के रुप में - जावेद अहमद
7- रंगाचारी के रुप में - प्रणव श्रीवास्तव
8- कमलकान्त के रुप में - शशांक पांडे
9- लच्छू के रुप में - जी पी श्रावास्तव
10- मानकुट्टी के रुप में - अवधेश कुमार
11-मुन्नन के रुप में - रोहित श्रीवास्तव
12- डा0एडवर्ड कोएलू के रुप में - जस्टिस बीडीनकवी
13- बिल्लो उर्फ इजाबेला कोएलू के रुप में - अनामिका सिंह
14- बच्ची के रुप में - मायरा खान

नाटक का निद्रेशन बी0डी0नकवी (रिटायर्ड जज) , सहायक निद्रेशक रियाज अल्वी,जावेद एवं विनीता सिंह, कार्यशाला निद्रेशक रहमान खान , प्रोड्यूसर मुजतबा खान व म्यिुजिक डायरेक्टर धीरेन्द्र, सेट डिजाइन-शकील अहमद मेकअप-सोनी , स्टेज इंचार्ज -तारिक खान , डांस डायरेक्टर -नावेद ने हिस्सा लेकर इस नाटक को कामयाब बनाने में अपना योगदान दिया ।

पीएनबी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वी. ए. डब्लूए) - 2025 मनाने के लिए आयोजित किया साइक्लोथॉन

3 नवंबर 2025: भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) के अंतर्गत एक रोमांचक साइक्लोथॉन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस वर्ष का विषय, "सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी", पूरे कार्यक्रम का आधार रहा। यह कार्यक्रम 2 नवंबर की सुबह 7:00 बजे द्वारका स्थित पीएनबी के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित किया गया।

इस साइक्लोथॉन में आम जनता और पीएनबी कर्मचारियों सहित सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो सतर्कता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और एक स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकजुट हुए थे।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक श्री डी. सुरेंद्रन और मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राघवेंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। उनकी उपस्थिति ने ईमानदारी, जवाबदेही और टीम वर्क की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, साथ ही जीवन के सभी पहलुओं में सतर्कता के प्रति व्यापक प्रतिबद्धता को प्रेरित किया।

अपने संबोधन में, पीएनबी के एमडी और सीईओ, श्री अशोक चंद्र ने कहा, "पीएनबी में, हमारा मानना है कि सतर्कता केवल निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन में हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें जागरूकता, सजगता और जवाबदेही भी सम्मिलित है। यह साइक्लोथॉन ईमानदारी, टीम वर्क और उचित वितरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जैसे-जैसे हम साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं, हम अपने और अपने आसपास एक पारदर्शी और नैतिक कार्य संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिज्ञा की पुष्टि करते हैं।"

पीएनबी के मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार ने आगे कहा, "सतर्कता एक सतत यात्रा है, इस यात्रा में एक सवारी की तरह, इसमें संतुलन , प्रयास और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। साइक्लोथॉन जैसी पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य सतर्कता को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना है और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।"

इस कार्यक्रम को सभी से सम्पूर्ण समर्थन मिला, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक आचरण में सतर्कता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस पहल के माध्यम से, पीएनबी एक अधिक जागरूक, जिम्मेदार और नैतिक रूप से जागरूक समाज के निर्माण के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है।

एक स्वस्थ कार्यबल और एक पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, पीएनबी एक उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करने के अपने प्रयासों पर अडिग है, जो यह दशार्ता है कि सतर्कता वास्तव में सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।